T.D.C-Part-II Paper-II

Dr. Reshma Sultana
Assistant professor
Dept of philosophy
Vaishali Mahila College B.R.A.B.U.

Topic- द्वैतवाद (Dualism) →

दार्शनिक द्वैतवाद → दार्शनिक द्वैतवाद तर्क और युक्ति के आधार पर स्थापित द्वैतवाद है परन्तु उसका भी निष्कर्ष आदर्शनिक द्वैतवाद के समान ही है क्योंकि वह भी सत्य के मूल में द्वैत को स्वीकार करता है। दार्शनिक द्वैतवाद में ही द्वैतवाद की रूप-रेखा साफ-साफ व्यक्त होती है।

दार्शनिक द्वैतवाद के विभिन्न रूप :→

सभी द्वैतवाद दर्शन इस विषय में सहमत है कि मूल सत्ता के प्रकृति में द्वैत है किन्तु इसमें स्वीकार करने पर यह बतलाना आवश्यक होता है कि मूल सत्ता की संख्या क्या है? इस विषय में तीन मुख्य सिद्धान्त है जिनके आधार पर द्वैतवाद के तीन रूप हो जाते है :-

i) एक सिद्धान्त उनका है कि वह मानता है कि मूल सत्ता के प्रकृति में द्वैत है लेकिन उनकी संख्या एक (duality in nature but Unity or sub. number) ही है।

ii) दूसरा मत उनका है कि प्रकृति और संख्या दोनों में द्वैत (duality in both, nature and number) स्वीकार करते है।

iii) तीसरा मत उन विचारकों का है जिनके अनुसार मूल सत्ता की प्रकृति में द्वैत किन्तु उनकी संख्या अनन्त (duality in nature

Scanned by TapScanner

Futuremate DATE

but plurality in number) है।

i) **प्रथम प्रकार का द्वैतवाद** → इस द्वैतवाद का स्पष्ट चित्रण भारतीय दार्शनिक रामानुजाचार्य के दर्शन में मिलता है। रामानुजाचार्य ईश्वर या ब्रह्म को विश्व का मूल आधार मानते हैं। यह जड़ात्मक (material) और चिदात्मक (spiritual) भी। इस प्रकार रामानुजाचार्य संख्यात्मक एकवाद (numerical monism) और गुणात्मक द्वैतवाद (qualitative dualism) के समर्थक हैं।

ii) **द्वितीय प्रकार का द्वैतवाद** → इस प्रकार के द्वैतवाद का प्रतिपादन प्लेटो और अरस्तु के दर्शनों में हुआ है। प्लेटो 'प्रत्यय' (ideal) को मूल तत्व मानते हैं पर भी शुद्ध प्रत्ययवादी (pure idealist) नहीं है। इसका कारण यह है कि वह प्रत्ययों के अतिरिक्त जगत को भी परमार्थ मान लेते हैं। उनके अनुसार तत्व दो ही हो जाते हैं - शुभ प्रत्यय (The idea of the god) और जगत (matter) है। प्लेटो जड़ और चेतन को विश्व का आधार मानने के कारण द्वैतवाद के प्रतिपादक हो जाते हैं। उनके अनुसार मूल तत्व प्रकृति और संख्या दोनों में द्वैत पाया जाता है।

Scanned by TapScanner